कच्छ ज्वार-भाटीय विद्युत परियोजना की स्थापना

411. **श्री बलराम सिंह यादव :**
डा जिनेन्द्र कुमार जैन :
क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि :

(क) क्या यह सच है कि ज्वार-भाटीय लहरों से विद्युत उत्पादन के लिये अपेक्षित प्रौद्योगिकी देश में प्राप्त कर ली गई है ; और

(ख) सरकार द्वारा कच्छ ज्वार भाटीय विद्युत परियोजना स्थापित करने के सम्बन्ध में क्या निर्णय किया गया है ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बाळनराव ढाकणे): (क) गुजरात में प्रस्तावित कच्छ ज्वारीय विद्युत परियोजना की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए जांच एवं अध्ययन कार्य करते समय केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा फ्रांस से तकनीकी सहायता प्राप्त की गई थी । तथापि ज्वारीय विद्युत के विकास में निहित जटिल प्रक्रिया को मद्देनजर रखते हुए परियोजना का विस्तृत अभिकल्प तैयार करते समय एवं उसके क्रियान्वयन के दौरान इस क्षेत्र में अनुभव रखने वाले अन्य देशों से और तकनीकी सहायता प्राप्त किए जाने की जरूरत पड़ सकती है ।

(ख) कच्छ ज्वारीय विद्युत परियोजना की स्थापना के संबंध में निर्णय केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा परियोजना के तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन एवं उसकी स्वीकृति के बाद ही किया जा सकता है ।

विद्युत संचारण और वितरण प्रणाली

412. **श्री बलराम सिंह यादव :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विद्युत संचारण और वितरण में आमतौर पर होने वाले विद्युतीय हानि की तुलना में देश में इसका परिमाण काफी अधिक है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990 के दौरान इस कारण देश में कितनी प्रतिशत विद्युत बेकार हो जाने की संभावना है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस भारी हानि को दृष्टि में रखते हुए "एनर्जी" के अक्तूबर, 1990 के अंक में कुछ कारणों का उल्लेख किया गया है ;

(घ) यदि हां, तो वे कौन से मुख्य कारण हैं और क्या सरकार ने उन्हें दूर करने के लिये कुछ ठोस उपाय अपनाने का निर्णय किया है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बाळनराव ढाकणे) : (क) और (ख) भारत में पारेषण एवं वितरण हानियां (टी. एण्ड डी.) 22 प्रतिशत के लगभग है जो कि विश्व के अन्य विकसित देशों जहां ये हानियां 6 से 11 प्रतिशत के बीच होती हैं, की तुलना में काफी अधिक है। वर्ष 1989-90 के दौरान पारेषण एवं वितरण हानियों का विवरण अनुबंध में दिया गया है **(नीचे देखिए)**

(ग) से (ङ) इन हानियों में कमी लाने के लिए विद्युत यूटिलिटीज को व्यापक मार्गदर्शी सिद्धांत जारी किए गए हैं। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ प्रणाली में अधिक हानियों के लिए उत्तरदायी घटकों का पता लगाने हेतु ऊर्जा लेखा परीक्षा संबंधी कार्य करना, वोल्टता संबंधी परिदृश्य को सुधारने के लिए कैपेसिटर्स की प्रतिष्ठापना करना, अपनी पारेषण एवं वितरण प्रणालियों को सशक्त बनाने तथा इनमें सुधार करने के लिए प्रणाली सुधार स्कीमें तैयार करना, ऊर्जा की चोरी को रोकने के लिए टेम्पर प्रूफ मीटर बाक्सों की प्रतिष्ठापना करना तथा ऊर्जा की चोरी से संबंधित मामलों का पता